

जब देखा तुझे मुरली वाले दिल हमारा तो बस में नहीं है



जब देखा तुझे मुरली वाले,

दोहा – हिया बिन काया सुन है,
काया सुन बिन प्राण,
प्राण स्वांस बिन सुन है,
स्वांस सुन बिन श्याम ।

जब देखा तुझे मुरली वाले,
दिल हमारा तो बस में नहीं है,
दिल हमारा तो बस में नहीं है,
दिल हमारा तो बस में नहीं है,
अपने जलवों की मत पूछों हमसे,
जलवा कोई भी कम तो नहीं है,
जब देखा तुझे मुरली वाले,
दिल हमारा तो बस में नहीं है। bdl

देखे – जबसे देखा तुझे जाने क्या हो गया ।

रूप सजते हो तुम नित नवेले,
रूप तेरा दीवाना बनाए,
जो सजाता है तुमको कन्हैया ,
वो भी आशिक तेरा कम नहीं है,
जब देखा तुझे मुरली वाले,
दिल हमारा तो बस में नहीं है। bdl

कहीं मणियों की वेणी बनी है,
कभी कलियाँ सुहानी सजी है,
लट मस्ती में श्री मुख को चूमे,
उसकी किस्मत सी किस्मत नहीं है,
जब देखा तुझे मुरली वाले,
दिल हमारा तो बस में नहीं है। bdl



बिन पिये ही नशा चढ़ गया है,
दिल को कैसे सम्भालूं कन्हैया ,
'नन्दू' बहकू अगर गम नहीं है,
जब देखा तुझे मुरली वाले,
दिल हमारा तो बस में नहीं है।bd।

जब देखा तुझे मुरली वाले,
दिल हमारा तो बस में नहीं है,
दिल हमारा तो बस में नहीं है,
दिल हमारा तो बस में नहीं है,
अपने जलवों की मत पूछों हमसे,
जलवा कोई भी कम तो नहीं है,
जब देखा तुझे मुरली वाले,
दिल हमारा तो बस में नहीं है।bd।

स्वर / रचना – नंदू जी शर्मा ।
